दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 197 ■ दमण, शुक्रवार 03 मई 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

"नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।"

ત્રીજી પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

દમણ-દીવની રાજનીતિના ભીષ્મ પિતામહ,
કોળી પટેલ સમાજ ના કર્ણધાર દમણ-દીવ ના પૂર્વ સાંસદ

સ્વ. ડાહ્યાભાઈ વલ્લભભાઈ પટેલ ની

ત્રીજી પુણ્યતિથિએ ભાવપૂર્ણ શ્રદ્ધાંજલિ
પાઠવી તેમનુ પાવન સ્મરણ કરીએ છીએ.

લિ.

શ્રીમતી ચંચલબેન ડાહ્યાભાઈ પટેલ

જીજ્ઞેશભાઈ ડાહ્યાભાઈ પટેલ — જાગૃતિબેન ડાહ્યાભાઈ પટેલ

હિતાક્ષીબેન જીજ્ઞેશભાઈ પટેલ — સ્મીરા જીજ્ઞેશભાઈ પટેલ

પ્રાંશી જીજ્ઞેશભાઈ પટેલ

દાભેલ-દમણ

जज शनिवार-रविवार को भी काम करते हैं उन्हें छुट्टी नहीं मिलती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को लंबी छुट्टी मिलती है लेकिन वह यह नहीं जानते कि जजों को शनिवार और रविवार को भी काम करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल से संबंधित एक मामले की सुनवाई चल रही थी तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुरुवार को सुनवाई की जाए और यह भी कहा कि दोनों पक्ष गर्मी की छुट्टी से पहले अपनी दलील पूरी करें। पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा है कि सीबीआई राज्य की इजाजत के बगैर मामले की जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी पर आगे सुनवाई करेगा। इस मामले में हाई कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है। इसी दौरान छुट्टी का मसला उठा। सॉलिसिटर जनरल ने पहले यह बात कही तब जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने भी कहा कि जो लोग यह आलोचना करते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों को लंबी छुट्टी मिलती है उन्हें शायद यह नहीं मालूम कि जज शनिवार और रविवार को भी काम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि जज रोजाना 50 से 60 मामलों की सुनवाई करते हैं और छुट्टियों में भी फैसला लिखते हैं।

लोग बहुत समझदार....वोट से जबाव देने को तैयार : सुनीता केजरीवाल

अहमदाबाद । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि लोग समझदार हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डालने के भाजपा के कदम का जवाब अपने वोट से देने को तैयार है। वे गुजरात के भरूच और भावनगर संसदीय क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियों में शामिल होने से पहले अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) केजरीवाल को चुनाव के समय जेल में डाला है, ताकि उनकी आवाज जनता तक नहीं पहुंचे। लेकिन लोग बहुत समझदार हैं और वे अपने वोट से जवाब देने को तैयार हैं। सुनीता के साथ चुनावी दौरे पर गए 'आप' के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उन बयानों के लिए उन पर निशाना साधा कि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि उन्हें ये सारी बातें चुनाव से पहले ही क्यों याद आती हैं? आप अपने काम के आधार पर वोट क्यों नहीं मांगते? मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सबसे बड़े दोस्त हैं।''

कुछ लोगों ने मुझे अपनी ही पार्टी में बेगाना बना दिया-अनिल विज

चंडीगढ़। अंबाला कैंट से छह बार के विधायक और हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें अपनी पार्टी में बेगाना बना दिया है। उन्होंने ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोगों ने मुझे मेरी पार्टी में ही बेगाना बना दिया है। विज अंबाला संसदीय सीट से बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक सभा को संबोधित कर रहे थे। बता दे बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मार्च में हुए सैनी के शपथ ग्रहण समारोह से भी दूरी बना ली थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपना चुनाव प्रचार अंबाला छावनी निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखा है। विज ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने अंबाला छावनी का विकास किया है तो वे इस चुनाव में अपनी ताकत दिखाएं और बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया को भारी मतों से विजयी बनाएं। बंतो कटारिया पूर्व केंद्रीय मंत्री रतन लाल कटारिया की पत्नी हैं। रतन लाल अंबाला से सांसद थे। पिछले साल उनका निधन हो गया। विज ने अपने भाषण के दौरान 'इंडिया' गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके पास न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। जब विज यहां अंबाला छावनी में सभा को संबोधित कर रहे थे तो सैनी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले मार्च में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बारे में पार्टी द्वारा अवगत नहीं कराए जाने को लेकर अनिल विज के नाराज होने की खबरें आई थीं। सैनी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में विज को शामिल भी नहीं किया गया।

चुनावी मौसम में हॉक्स ई-मेल आने से चढ़ गया दिल्ली का पारा

नई दिल्ली। देश में लोकतंत्र का महापर्व अपने पीक पर चल रहा है। इस बीच बम के हॉक्स ई-मेल आने से दिल्ली का पारा अचानक ऊपर चढ़ गया है। दिल्ली में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन सहित 103 सरकारी बिल्डिंग में बम रखे होने का ई-मेल आया, तब कोई बहुत ज्यादा हरकत नहीं हुई। लिहाजा बुधवार को सबसे संवेदनशील जगह स्कूलों को टारगेट किया गया। इससे अचानक पूरी दिल्ली हड़कंप मच गया। दहशत फैलाने वाले अपने मंसूबों में कामयाब हो गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली के एलजी और पुलिस के आला अफसरों अलर्ट मोड में आ गए। पैरंट्स और स्टूडेंट्स के बीच दहशत फैल गई। लोगों के बीच स्कूलों की तरफ भागने की होड़ सी मच गई। पुलिस अफसर बताते हैं कि अचानक इस तरह से पैनिक फैलने की आशंका रहती है। भगदड़ मचने पर जानमाल का नुकसान का खतरा बना रहता है। इसकारण जनता से यही अपील की जाती है कि वे इसतरह के हालात में बिल्कुल भी ना घबराएं और हमेशा अलर्ट रहें। एक एक तरह की नई चुनौती है, जिससे पुलिस और पब्लिक दोनों को मिल कर निपटना है। पुलिस अफसर ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में या अन्य जगह पर बम की हॉक्स कॉल पहले भी आती रही हैं। लेकिन इतने ज्यादा स्कूलों को बम रखने का एक साथ ई-मेल भेजने का ये पहला मामला सामने आया है। ये एक नया ट्रेंड है। इससे आने वाले समय में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के इस दौर में दहशत फैलाने वाले किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस तरह का पैनिक फैलाने के पीछे साजिशकर्ताओं का क्या मकसद है और वे इससे क्या हासिल चाहते हैं, इसका खुलासा आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही हो सकेगा।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SHAILENDRA KUMAR PANDEY S/O PARASU RAM PANDEY (OLD NAME) TO SHAILENDRA PANDEY S/O NEW NAME - **PARSURAM PANDEY**
ADD :- 2232, BUMBAD FALIA, SAMARVARNI, U.T OF DNH.

-प्रियंका का पीएम मोदी पर हमला

भाजपा जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान पर बात करती

चिरमिरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा संसदीय क्षेत्र के चिरमिरी में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योत्सना महंत के समर्थन में आयोजित जनसभा में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान और चीन की बातें करते हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान को बढ़ाने के लिए कांग्रेस की ओर से की गई कोशिश को भाजपा ने पसंद नहीं किया। वर्तमान दौर में किस तरह की राजनीति हो रही है और किस तरह के नेताओं को बढ़ाया जा रहा है, यह हमारे सामने है।

उन्होंने कहा कि चिरमिरी सहित अन्य क्षेत्रों में खुशहाली आए इसकारण कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया था। जिसकी वजह से हजारों लोगों को रोजगार मिला। वर्तमान में मजदूर विरोधी, किसान विरोधी राजनीति चल रही है। भाजपा नेता जाति की राजनीति कर बताते है कि देश में खुशहाली और अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भारत आने की बात करते हैं। लेकिन जनता की सबसे बड़ी समस्याओं की बात मंचों पर नहीं हो रही है। इन मंचों पर जो बात होती है, वह बड़े-बड़े इवेंट की होती है, कोई जी-20 बोलता है, कोई पाकिस्तान की बात करता है, कोई चीन की बात करता है। आप जिन संघर्षों से गुजर रहे हैं, उनकी बात नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में दो तरह के नेता हैं। एक जो सबसे भष्ट्र नेता हैं। उन सभी को इकट्ठा करके अपनी पार्टी में ले लिया। जो दूसरी पार्टियो में भ्रष्ट थे, पहले उनके खिलाफ आरोप लगे और उन पर छापे मारे गए। उन पर दबाव डाला गया और अपनी पार्टी में ले लिया गया। जब उनकी पार्टी में आ गए तब वह पाक साफ हो गए। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई और केस नहीं हुआ। सब चुपचाप से बंद किया गया। दूसरी ओर वे नेता हैं, जो सिर्फ हवा-हवाई बातें करते हैं। जो आपकी बात नहीं करते।

सिसोदिया ने जमानत के लिए लगाई याचिका, कोर्ट ने की मंजूर सुनवाई कल

नई दिल्ली। कथित आबकारी नीति घोटाले में जेल में बंद दिल्ली से पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया और एक याचिका दायर कर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया है। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया की ओर वकील रजत भारद्वाज और मोहम्मद इरशाद ने कहा अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता एक विधायक है। उन्होंने अदालत से जमानत की मांग करने वाली दोनों याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत में दो मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। निचली अदालत ने 2021-22 की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन-शोधन मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

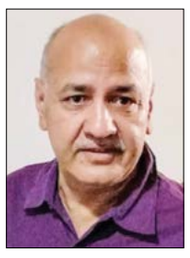

एशिया देशों में आग उगल रहा सूर्य.... आग की भटटी बने कई देश

भारत, जापान और बांग्लादेश में तापमान शीर्ष पर

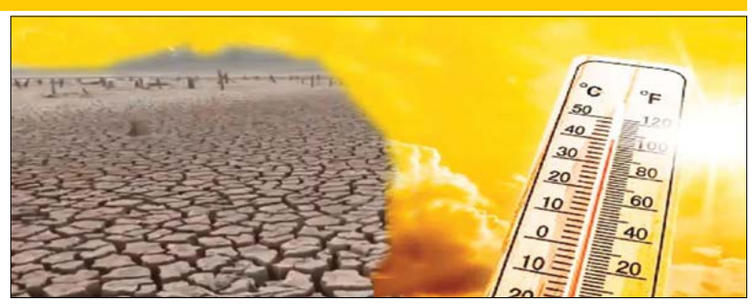

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के देशों में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे गर्मी से संबंधित बीमारियों और मौतों में काफी ज्यादा तेजी आई है। बीते कुछ दिनों में भारत से फिलीपींस तक तापमान 100 से 120 डिग्री तक बढ़ गया है, जबकि जापान में तापमान 90 डिग्री तक बढ़ा है। मौसम विज्ञानी मैक्सिमिलियानो हरेरा ने लिखा है कि पूरे एशिया में तापमान कई पुराने रिकॉर्ड क्रूरतापूर्वक तोड़ रहा है, जो विश्व जलवायु इतिहास में अब तक की सबसे चरम घटना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल के आखिरी हफ्ते में एशिया ने भीषण गर्मी देखी और मई के शुरुआत दिनों में भी इसके जारी रहने की संभावना है। दक्षिण एशिया के कई इलाकों में मार्च से ही तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। फिलीपींस में 1.4 करोड़ लोगों की आबादी वाले मनीला में बीते शनिवार को अब तक का उच्चतम तापमान 101.8 डिग्री फारेनहाइट (38.8 सेल्सियस) दर्ज किया गया। बांग्लादेश, भारत, चीन में भी गर्मी रंग दिखा रही है।

बांग्लादेश में अप्रैल के आखिरी में गर्मी के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। देश में तापमान 109.4 डिग्री (43 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच गया। मंगलवार को बांग्लादेश में उच्च तापमान 110.8 डिग्री (43.8 सेल्सियस) था। चीन के हालात भी अच्छे नहीं हैं। चीन के यून्नान प्रान्त में अप्रैल में देश का शीर्ष तापमान 110.1 डिग्री (43.4 सेल्सियस)रहा। हैनान प्रांत में तापमान 109 डिग्री (42.8 सेल्सियस) तक पहुंचा, जो हैनान के लिए अब तक का उच्चतम तापमान है।

भारत कई हिस्सों में भीषण गर्मी है। खासतौर से कोलकाता में अप्रैल की सबसे लंबी गर्मी की लहर महसूस की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2 मई तक कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यधिक गर्मी के लिए कोड रेड घोषित किया। यहां तापमान औसत से लगभग 9 से 18 डिग्री (5 से 10 डिग्री) अधिक, 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंचा है। जलवायु डेटा के विश्लेषण के अनुसार भारत 2030 तक उच्च तापमान के लिहाज से दुनिया का सबसे संवेदनशील देश होगा।

जापान, म्यांमार में भी गर्मी का हाहाकार

जापान में दक्षिण से उत्तर तक गर्मी के नए रिकॉर्ड बने हैं। लाओस में अप्रैल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड शुक्रवार को बना, जब नगोन में तापमान 109.8 डिग्री (43.2 सेल्सियस) तक पहुंच गया। म्यांमार में पारा 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ गया है। फिलीपींस में मनीला खाड़ी के सांगली प्वाइंट पर भी न्यूनतम तापमान 86.4 डिग्री (30.2 सेल्सियस) दर्ज किया गया, जो देश के इतिहास में रात का सबसे ज्यादा तापमान है। ताप सूचकांक 110 डिग्री से अधिक होने के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। थाईलैंड में भी भीषण गर्मी देखी जा रही है।

एरिजोना विश्वविद्यालय में मौसम विज्ञान के प्रोफेसर किम वुड का कहना है कि इस गर्मी के पीछे की एक अहम वजह असामान्य रूप से समुद्र के पानी का गर्म होना है। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर गर्मी कुछ समय के लिए कम हो सकती है लेकिन औसत से ज्यादा तापमान बना रहेगा। मई के मध्य तक गर्मी और भी बढ़ सकती है।

पिछले चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने पर उद्धव ठाकरे ने मांगी माफी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है और वह पूर्व के चुनावों में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर लोगों से माफी मांगते हैं।

उद्धव ठाकरे और महा विकास आघाडी (एमवीए) के उनके सहयोगी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने हातकणंगले निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार सत्यजीत पाटिल के समर्थन में पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक रैली को संबोधित किया। 2022 में महाराष्ट्र में सरकार गिरने की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला नहीं सुनाया कि असली शिवसेना किसकी है, बल्कि निर्वाचन आयोग और मध्यस्थ (महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर) ने अपना फैसला सुनाया, जो भाजपा के सेवक के रूप में काम कर रहे थे। ठाकरे उद्धव ने कहा कि जब कोई भी दल भाजपा से हाथ मिलाने को तैयार नहीं था, तब शिवसेना ने उसके साथ गठबंधन किया था।

उद्धव ठाकरे ने जून 2022 में अपनी सरकार के गिरने का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने एक ऐसे व्यक्ति की सरकार को गिरा दिया, जिसके परिवार ने उसे सब कुछ दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने पहले हुए चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर आपसे माफी मांगता हूं क्योंकि पीएम मोदी की सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है। वहीं सभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे के दौरान राज्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बोलने के बजाय केवल शरद पवार और उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हैं।

बिहार की सियासत में बड़ा सवाल : पप्पू यादव कांग्रेस में है या नहीं?

पटना (एजेंसी)। चुनावी अखाड़े में अपनाए जाने वाले सियासी दांव पेंच कई बार बड़े रोचक भी होते हैं। बिहार में पूर्णिया सीट पर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। यहां से पप्पू यादव कांग्रेस के नेता हैं और निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर आखिर तक गहमा-गहमी चलती रही। पप्पू चुनाव के अंतिम दिन तक कांग्रेस का समर्थन प्राप्त होने का दावा करते रहे। अब इस मामले में कांग्रेस ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस की ओर से पप्पू को लेकर चौंका देने वाली प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट कर दिया है कि पप्पू यादव ने कांग्रेस की सदस्यता और अपनी पार्टी का विलय नहीं किया है। पूर्णिया से चुनाव लड़ने वाले पप्पू यादव को लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आधिकारिक जवाब दिया। पूर्णिया सीट महागठबंधन में राजद के खाते में चली गई थी। शर्मा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पप्पू ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है। उन्होंने पटना में सदस्यता पर्ची भी नहीं ली, जो बिहार से पार्टी में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को लेनी पड़ती है। बता दें कि एआईसीसी के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश और मीडिया व प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए पप्पू यादव का पार्टी में स्वागत किया और उनकी जन अधिकार पार्टी के विलय की घोषणा की। शर्मा ने कहा कि बहुत से लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्नैक्स लेने आते हैं। मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बता दें कि बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने यादव से नामांकन पत्र वापस लेने के लिए कहा था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि पार्टी अपने सदस्यों को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, यह भी अनुमान लगाया गया था कि कांग्रेस पप्पू के लिए कोई भी रास्ता खोज सकती है। पप्पू यादव खुद को आखिरी सांस तक कांग्रेस, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का सिपाही कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि दबंग सहयोगी राजद के दबाव में उन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं दिया गया।

कैसरगंज से बेटे को टिकट मिलने पर गदगद हुए बृजभूषण शरण सिंह, पार्टी का किया धन्यवाद, टीएमसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कैसरगंज के मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है, को हटा दिया और उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया। पार्टी के फैसले में बृजभूषण शरण सिंह का कहीं ना कहीं दबदबा दिखा है। बेटे को टिकट मिलने पर बृजभूषण शरण सिंह गदगद हैं। बृज भूषण के छोटे बेटे करण भूषण उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। वह गोंडा जिले के नवाबगंज में सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी हैं।

कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। करण भूषण सिंह ने कहा कि मैं यहां बजरंगबली का आशीर्वाद लेने आया हूं। वह मेरे गुरु हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देता हूं। कल नामांकन दाखिल किया जाएगा। इस बार ब्रज भूषण की सीट पर काफी सस्पेंस था क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख, जो छह बार के सांसद भी हैं, पर देश के कुछ प्रतिष्ठित पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने पर टीएमसी ने सवाल उठाया है। टीएमसी नेता सागरिका घोष ने कहा कि भाजपा ने बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण सिंह को टिकट दिया है, यह शर्मनाक और अपमानजनक है। बृज भूषण शरण सिंह पर किसी और ने नहीं बल्कि भारत की ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवानों ने गंभीर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन पर पॉस्को एक्ट के तहत भी आरोप लगाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट देना छद्म राजनीति के अलावा कुछ नहीं है. इससे पता चलता है कि बीजेपी बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की निंदा करने को तैयार नहीं है। भाजपा कहती है कि वह वंशवाद की राजनीति के खिलाफ है, तो यह वंशवाद की राजनीति के अलावा और क्या है?

छह बार सांसद रहे भूषण अपने राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र और उसके आसपास लगभग 50 निजी शैक्षणिक केंद्र भी चलाते हैं। वह लगभग एक दशक तक भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे। सखी मलिक और बजरंग पुनिया समेत पहलवान भूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। कैसरगंज लोकसभा सीट पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। 2019 में बृजभूषण को 5,81,358 वोट मिले। बसपा के चंद्रदेव राम यादव को 3.19 लाख से ज्यादा वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विनय कुमार पांडे को 37,132 वोट मिले।

निकल गई हेकड़ी.... भारतीय पर्यटकों को लुभाने में जुटा मालदीव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से दोनों देशों में खटास आ गई है। मालदीव के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी को लेकर अभद्र टिप्पणी की जिसके बाद भारत में मालदीव बॉयकाट का ट्रेंड शुरु हो गया। मालदीव की इकोनॉमी में भारतीय पर्यटकों का बड़ा योगदान है। इसके बाद साल 2024 में मालदीव के अंदर भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आने के बाद अब मालदीव परेशान दिख रहा है।

जिसके बाद मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक फातिमथ तौफीक ने खुलासा किया है कि भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए अब नए प्रयास शुरू किए हैं। मालदीव पर्यटन बोर्ड के एमडी ने बताया कि जैसे ही पर्यटन मंत्रालय ने साल 2024 में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी, उन्होंने भारतीय बाजार को आकर्षित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मालदीव पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 से 2023 के बीच मालदीव में सबसे अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे, लेकिन विवाद के बाद भारतीय टूरिस्टों की रैंकिंग पहले से छठे स्थान पर खिसक गई है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगर लंबे समय तक भारतीय टूरिस्ट मालदीव से दूरी बनाते हैं, मालदीव को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच फातिमाथ ने कहा कि हम भारतीय बाजार से पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए सीजन से पहले भी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए मालदीव ने भारत सरकार से भी मदद मांगी है। भारतीय बाजार में मालदीव पर्यटन ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए कई एयरलाइंस के साथ मालदीव पर्यटन विभाग ने समझौता किया है। एमडी ने बताया कि वे इसतरह के अभियान चलाएंगे, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ सके।

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

संघ प्रदेश
दादरा एवं नगर हवेली
दमण-दीव

असली आज़ादी

SINCE 2005

शुक्रवार 03, मई 2024, दमण। 3

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई, इक शख़्स सारे शहर को वीरान कर गया...

दमण-दीव की राजनीति के भीष्म पितामह पूर्व सांसद स्व. डाह्याभाई पटेल की पुण्यतिथि आज: प्रदेश के बहुमत नागरिकों को ओबीसी आरक्षण दिलाने और स्थानीय युवाओं को डोमिसाइल के अधिकार के लिए हमेशा याद किया जायेगा

■ सरपंच से सांसद तक सफर तय करने वाले स्व. डाह्याभाई पटेल ने दमण-दीव की स्थानीय आबादी के 50 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को ओबीसी आरक्षण दिलाते हुए ओबीसी कैटेगरी में शामिल कराकर सामाजिक उत्थान का बडा कार्य किया था ■ पुर्तगाली शासन से लेकर दमण-दीव की आजादी के बाद पहली बार मोटी दमण और नानी दमण के बीच दमणगंगा नदी पर आधुनिक ब्रिज बनाने का श्रेय भी डाह्याभाई पटेल को जाता है ■ दमण के कोली पटेल समाज के लिए भव्य हॉल का निर्माण, प्रदेश के युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल और 20 मार्क का लाभ सहित अनेक कार्य स्वर्गीय डाह्याभाई पटेल ने किया था ■ डाह्याभाई पटेल ने अपने राजनीतिक कार्यकाल में दर्जनों लोगों को सरपंच, जिला पंचायत सदस्य, पंचायत सदस्य, काउंसिलर, जिला पंचायत प्रमुख-उपप्रमुख, म्युनिसिपल प्रमुख-उपप्रमुख बनाया था

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 2 मई। दमण-दीव की राजनीति के भीष्म पितामह माने जाने वाले कोली पटेल समाज के कर्णधार पूर्व सांसद स्व. डाह्याभाई पटेल की आज तीसरी पुण्यतिथि है। स्व. डाह्याभाई पटेल का 2021 में निधन हो गया था। उनकी अचानक विदाई से दमण-दीव की राजनीति को अपूर्णनीय क्षति हुई है। गौरतलब है कि लगभग 35 सालों तक संयुक्त दाभेल ग्रुप ग्राम पंचायत के सरपंच के रुप में डाह्याभाई पटेल ने जिम्मेदारी निभाई थी। 1995 में दमण-दीव जिला पंचायत के गठन के बाद डाह्याभाई पटेल ने 1999 तक संयुक्त जिला पंचायत के प्रमुख की जिम्मेदारी भी निभाई थी। 1999 के लोकसभा चुनाव में दमण-दीव की जनता ने डाह्याभाई पटेल को विजयी बनाकर उन्हें लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया था। लोकसभा में दो बार दमण-दीव का प्रतिनिधित्व करते हुए डाह्याभाई पटेल ने दमण-दीव के स्थानीय नागरिकों जैसे पटेल, माछीमार, भंडारी, मिटना सहित 50 प्रतिशत नागरिकों को ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाते हुए उन्हें ओबीसी कैटेगरी में शामिल कराया था। जिसके कारण दमण-दीव के मूल निवासी नागरिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में मौका मिला था। इतना ही नहीं दमण-दीव प्रशासन की सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं के लिए डोमिसाइल और भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय युवाओं के लिए 20 मार्क का प्रावधान भी डाह्याभाई पटेल ने भारत सरकार से कराया था। जिसके चलते आज प्रशासन में जो स्थानीय सरकारी कर्मचारी नजर आ रहे है उसका श्रेय भी डाह्याभाई पटेल को जाता है। डाह्याभाई पटेल ने ऐसे तो विभिन्न समाजों के लिए सांसदनिधि से कम्युनिटी हॉलों का निर्माण कराया था। खासकर कोली पटेल समाज के लिए जो भव्य हॉल बनाया है ऐसा हॉल पूरे दक्षिण गुजरात में नहीं है। पुर्तगाली शासन के समय से ही मोटी दमण और नानी दमण के बीच ब्रिज की समस्या थी। 1983 में जो ब्रिज बना था वह अस्थायी जैसा ही था। अपने सांसद काल में डाह्याभाई पटेल ने भारत सरकार से लेकर गुजरात सरकार तक नये ब्रिज के निर्माण की मंजूरी के लिए कडी मेहनत की थी। आखिरकार 2004 में मोटी दमण और नानी दमण के बीच नये ब्रिज को सभी मंजूरी मिली थी। इस ब्रिज का शिलान्यास तत्कालीन गृहराज्यमंत्री हरीन पाठक और सांसद डाह्याभाई पटेल के हाथों हुआ था। उस कार्यक्रम में डाह्याभाई पटेल ने सार्वजनिक मंच से कहा था कि इस ब्रिज का शिलान्यास मैंने किया है तो उसका लोकार्पण भी मेरे कार्यकाल में ही होगा। 2009 में तत्कालीन यूपीए चेयरमैन सोनिया गांधी के साथ सांसद डाह्याभाई पटेल ने दमण-दीव की जनता को मोटी दमण और नानी दमण को जोडने वाला आधुनिक ब्रिज समर्पित किया था। जो आज भी दोनों तरफ के नागरिकों के लिए आशीर्वाद समान है। यहां बताना जरुरी है कि डाह्याभाई पटेल अपने राजनीतिक कार्यकाल में दर्जनों लोगों को सक्रिय राजनीति में लेकर आये थे। किसी को पंचायत सदस्य तो किसी को सरपंच, किसी को जिला पंचायत सदस्य तो किसी को काउंसिलर, किसी को जिला पंचायत प्रमुख-उपप्रमुख तो किसी को म्युनिसिपल प्रमुख-उपप्रमुख बनाया था। आज पूर्व सांसद स्व. डाह्याभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उनके हजारों समर्थक एवं शुभेच्छक उन्हें नम आंखों से याद करेंगे। कहते है कि कुछ नेता अपने-अपने प्रदेश में सदी में एक बार ही पैदा होते है यह बात स्व. डाह्याभाई पटेल के लिए सटिक बैठती है।

SWEEP

मतदान आमंत्रण पत्र

|| स्वागतम ||

चुनाव का पर्व DESH KA GARV LOK SABHA ELECTION 2024

जिला निर्वाचन अधिकारी, दादरा नगर हवेली
(चरण 3)

मंगलवार

मई 07 2024

समय सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक

प्रदेश के सभी मतदाताओं को मतदान करने के लिए
आमंत्रित करते हैं।

न्यूनतम सुविधाओं का विवरण

• वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए भूतल पर मतदान केंद्र
• वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए परिवहन की सुविधाओं
• पीने का पानी • पर्याप्त फर्नीचर
• उचित प्रकाश की व्यवस्था • उचित संकेत चिन्ह
• शौचालय

SWEEP

आगामी लोकसभा चुनावों में मतदान करने का अवसर ना गंवाए।

चुनाव का पर्व DESH KA GARV LOK SABHA ELECTION 2024

मतदान का हक़ अदा करने के लिए कृपया मतदान केंद्र में
अपना वैध मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) अपने साथ ले जाए !

जिन मतदाताओं के पास वैध मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) नहीं है, वे मतदान केंद्रों पर निम्नलिखित दस्तावेजों में से एक पहचान पत्र

आधार कार्ड	मनरेगा जॉब कार्ड	बैंकों / डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक
श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड	ड्राइविंग लाइसेंस	पैन कार्ड
एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड	भारतीय पासपोर्ट	फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज
केंद्र / राज्य सरकार / लोक उपक्रम पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र	सांसदों / विधायकों / विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गए सरकारी पहचान पत्र	यूनिक दिसएबिलिटी आईडी कार्ड

सूचना -

1. केवल मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) के आधार पर आप मतदान नहीं कर सकते। इस के लिए मतदाता सूची में आपका नाम समाविष्ट होना आवश्यक हैं।

2. मतदान केंद्र पर फोटोयुक्त मतदाता पर्ची पहचान पत्र के रूप में स्वीकार नहीं की जाएगी, बल्की उसके साथ आपको मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) या उपरोक्त 12 पहचान पत्रों में से कोई एक पहचान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

3. प्रवासी भारतीयों को पहचान के लिए केवल मूल पासपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, डीएनएच और डीडी
www.ceodaman.nic.in
ceo_daman@eci.gov.in
Whatsapp: 7285811950

हेल्पलाइन 1950
कोई मतदाता पीछे न छूटे
@ECI @ECISveep @ECISveep

कोरोना वैक्सीन पर राजनीति नहीं

संजय गोस्वामी

पहली और दूसरी खुराक प्राप्त करने के 48 घंटे बाद, 687 अभ्यास (पुरुष = 275; महिला = 412) में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, मतली, मैलगिया, सिरदर्द, अस्वस्थता , थकान की व्यापकता का आकलन किया गया और पहली खुराक की तुलना में दूसरी खुराक के प्रशासन के 48 घंटे बाद अन्य प्रणालीगत खुराक में काफी गिरावट आई अधिकांश प्रतिकूल घटनाओं में साइड इफेक्ट की रिपोर्ट दर <0.50% थी, जो सभी पुरुष एवं महिला के लिए वैक्सीन के लिए कोविशील्ड सुरक्षित है। कोरोना कब खत्म हो गया और इसपर अभी भी राजनीति चालू है, इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ये आम लोग के स्वास्थ्य से जुड़ा है जानकारी के अभाव लोग घबरा जाएंगे।

कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट में माना है कि इस वैक्सीन से कुछ लोगों को दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है. यह वही वैक्सीन है जिसका भारत में बड़े पैमाने पर सीरम इंस्टीट्यूट के जरिए उत्पादन किया गया था. एक निजी संस्थान द्वारा उत्पादित वैक्सीन को न केवल सरकार द्वारा प्रचारित किया गया, बल्कि इसे आईसीएमआर द्वारा प्रमाणित और सुरक्षित भी बताया गया। जबकि सभी जानते हैं कि वैक्सीन का ट्रायल बहुत जल्दबाजी में किया गया था. क्लिनिकल और अन्य परीक्षणों की लंबी और वर्षों-लंबी प्रक्रिया को कुछ महीनों और हफ्तों में यह कहकर संक्षेप में प्रस्तुत किया गया कि यह समय की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री ने स्वयं सीरम इंस्टीट्यूट का दौरा किया और इसके एमडी अदार पूनावाला के साथ देश को वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने खुद भी टीका लगवाया और देशवासियों से भी टीका लगवाने की अपील की. इसके बाद कोवैक्सिन, कोरवेबेक्स जैसी कई अन्य वैक्सीन भी आईं और लगाई गईं। सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर खरीदा और जनता को मुफ्त में सप्लाई किया। पूरे देश में टीकाकरण शिविर आयोजित किये गये। वैक्सीन लेने के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ा. वैक्सीन प्रमाणपत्र वितरित किए गए और कई सरकारी सेवाओं के लिए यह प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया। यह प्रमाणपत्र आज भी हम सभी के मोबाइल फोन या दराज में मौजूद है। ये सब हुए कई साल बीत गए. कोरोना की कभी-कभी छोटी लहर की चर्चा के अलावा कोई बड़ी लहर नहीं आई है. ऐसा लगता है कि वैक्सीन का असर हुआ है. कोरोना के नए-नए वेरिएंट आते हैं और बिना कोई खास असर दिखाए वापस चले जाते हैं. पुराने वेरिएंट को वैक्सीन से खत्म कर दिया गया है और इम्यूनिटी बढ़ने से नए वेरिएंट को अपनी ताकत दिखाने और बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है. लेकिन दूसरी ओर, अचानक दिल का दौरा, हार्ट अरेस्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं. आए दिन हमें ऐसी खबरें और वीडियो पढ़ने, देखने और सुनने को मिलते हैं. न केवल भारत में, बल्कि ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी, जहां कोविशील्ड का आविष्कार किया गया था। स्ट्रेजेनेका कंपनी ने इसे सबसे पहले कहां बनाया था और किन देशों से लाइसेंस या सहयोग लेकर अन्य देश और उनकी वैक्सीन कंपनियां इसका उत्पादन कर रही हैं। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इनका सबसे बड़ा उत्पादक है और इसकी बनी वैक्सीन पूरी दुनिया में सप्लाई होती है. लेकिन अब एस्ट्राजेनेका मुश्किल में है और उसकी परेशानी का साया सीरम इंस्टीट्यूट से लेकर भारत सरकार तक दिखाई दे रहा है. चूंकि इन दिनों भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं कोविशील्ड पर एस्ट्राजेनेका के कबूलनामे से विपक्ष को

सरकार के खिलाफ नया हथियार मिल गया है. कोविशील्ड के बारे में खतरनाक तथ्य सामने आने से उन विपक्षी दलों को भी नई ताकत मिलेगी जिनके नेताओं ने शुरूआत में इस वैक्सीन का मजाक उड़ाया था और इसे बीजेपी की वैक्सीन बताकर इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। हालाँकि बाद में जनता के दबाव में उन्होंने वैक्सीन लगवा ली, लेकिन कई आम लोगों की तरह वैक्सीन को लेकर उनका संदेह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था. इनमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख का नाम प्रमुख है. उनकी पार्टी इस चुनाव में भारत गठबंधन का हिस्सा है। जब से एस्ट्राजेनेका द्वारा अदालत में वैक्सीन की खामियों को स्वीकार करना मीडिया में उजागर हुआ है, जिस महिला की कथित तौर पर कोविशील्ड लेने के बाद मृत्यु हो गई, उसके माता-पिता ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के खिलाफ मामला दर्ज करने का फैसला किया है, जिसके एक दिन बाद भारत में वैक्सीन बेचने वाली एस्ट्राजेनेका ने अदालत में स्वीकार किया कि उनका कोविड शॉट एक दुर्लभ दुष्प्रभाव का कारण बन सकता है। . एस्ट्राजेनेका का कबूलनामा सामने आने के बाद अभिभावकों को न्याय की उम्मीद है. नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने एक सम्मेलन बैठक में कहा, सीरम इंस्टीट्यूट के कोविशील्ड के दुष्प्रभाव नगण्य से भी कम हैं। कोविड-19 एक घातक बीमारी है, और हम सभी को जीवन में बाद में अनावश्यक स्थितियों से बचने के लिए उचित सावधानी बरतनी चाहिए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरोना और कोविशील्ड को लेकर चचाओं से भर गए हैं। ऐसा लगता है मानों सबको अपना गुस्सा निकालने का मौका मिल गया हो. कोई इसके लिए एस्ट्राजेनेका और अदार पूनावाला को जिम्मेदार ठहरा रहा है तो कोई इसे चुनावी बांड चंदे और विदेश में कॉरपोरेट जगत के लालच से जोड़ रहा है. कोरोना महामारी को लेकर अब भी लोगों में संदेह होने लगा है। वे पूछ रहे हैं कि क्या यह पश्चिमी अमीरों और शासकों की कोई सुनियोजित साजिश नहीं थी? जिसके तहत जनसंख्या को कम करने और फार्मेसी, अस्पताल, बीमा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के करोड़ों लोगों को गिनी पिग बनाया गया और उनके जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया गया और इसके लिए चीन जिम्मेदार है। आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी दवा का मानव के ईलाज में प्रयोग करने से पहले क्लिनिकल परीक्षण किया जाता है वैक्सीन का साइड इफेक्ट क्लिनिकल परीक्षण में नगण्य है सबसे पहले किसी रसायन जो कि टीके या दवा के लिए प्रयोग किया जाना है का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। यदि प्रयोगशाला में सफलता मिल जाती है, तो इसके बाद इसका प्रयोग छोटे जानवरों (जैसे चूहा, बिल्ली, आदि) पर किया जाता है। यदि इन पर भी प्रयोग सफल होता है तो यही प्रयोग विभिन्न जाति के बंदरों पर किया जाता है। इस परीक्षण में इस दवा के दुष्परिणाम तथा दवा के विषैलेपन का भी परीक्षण किया जाता है। यदि यहां तक सफलता मिल जाती है तो उसके बाद दवा नियंत्रक तथा अन्य नियामक एजेंसियों से मानव पर उपरोक्त दवा के परीक्षण की इजाजत मांगी जाती है। इस इजाजतनामे में मानव परीक्षण की जरूरत किस प्रकार का परीक्षण किया जायेगा, कौन-कौन शोधार्थी इसमें शामिल होंगे और किन-किन अस्पतालों के माध्यम से यह शोध किया जायेगा, इस सब का विवरण देना होता है। साथ ही हर चरण के परीक्षण के बाद सम्पूर्ण विवरण नई दवा या टीके का परीक्षण करने वाली कम्पनी को उक्त एजेंसी को देना होता है।मानव परीक्षणों में हर दवा को तीन चरणों में गुजरना होता है।पहला चरण क्लीनिकल ट्रायल होता है, जिसमें दवा की सुरक्षा तथा शरीर में प्रतिरोधक क्षमता तथा अलग-अलग मात्रा में दवा की खुराक देकर दवा की खुराक (डोज) निर्धारित की जाती है। पहले चरण के परीक्षण में 10 से 20 तक स्वस्थ मानवों की आवश्यकता होती है, तथा इस पूरी प्रक्रिया में दो वर्ष का समय लगता है। दूसरे चरण में यही प्रक्रिया 300 से ऊपर स्वस्थ मानवों में दोहरा कर परीक्षण किया जाता है। इस प्रक्रिया में भी दो वर्ष से ऊपर का समय लगता है।तीसरे चरण में यह दवा उस बीमारी के हजारों रोगियों को दी जाती है, जिसे मर्ज के लिए यह दवा तैयार की गयी है। इस तीसरे चरण की खास बात यह है कि जितने मरीजों पर इस दवा का प्रयोग किया जा रहा है, उतने ही मरीजों पर प्लेसिबो (जो कि नमकीन पानी होता है) का परीक्षण किया जाता है। परीक्षण के बाद दोनों समूहों, जिन्हें दवा दी गयी है और जिन्हें प्लेसिबो दिया गया है, के नतीजों की तुलना की जाती है और सारी सूचना नियंत्रक एजेंसी को दी जाती है। अब यहनियंत्रक एजेंसी देखती है कि क्या दवा में रोग को पूर्ण तथा समाप्त करने की क्षमता है या नहीं। साथ ही उसके मानवशरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी किया जाता है। फरवरी 2021 में, त्रिनिदाद और टोबैगो ने अपना राष्ट्रीय COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया। वैक्सीन कार्यकर्ता ChAdOx1 ल्लउङ्घश-19 (ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका (कोविशील्ड, हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे, भारत) प्राप्त करने वाले पहले समूह में थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर पहली COVID-19 वैक्सीन उपलब्ध थी। आई बी एम कार्पोरेशन, अर्मोन्क, एनवाई, यूएसए द्वारा किया गया परीक्षण में इस वैक्सीन की सुरक्षा जांच की गई, स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता द्वारा प्राप्त टीकाकरण के बाद रिपोर्ट की गई टीकाकरण के बाद सिस्टमगत और स्थानीय अध्ययन दस्तावेजों का एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन , चिकित्सा और दस्तावेजीकरण दस्तावेज -19 से संबंधित इतिहास और पहले के अनुभव में दिए गए स्थानीय और सिस्टमगत अध्ययन से संबंधित डेटा के माध्यम से जांच किया गया था। इस परीक्षण की पहली और दूसरी खुराक प्राप्त करने के 48 घंटे बाद, 687 अभ्यास (पुरुष = 275; महिला = 412) में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, मतली, मैलगिया, सिरदर्द, अस्वस्थता , थकान की व्यापकता का आकलन किया गया और पहली खुराक की तुलना में दूसरी खुराक के प्रशासन के 48 घंटे बाद अन्य प्रणालीगत खुराक में काफी गिरावट आई अधिकांश प्रतिकूल घटनाओं में साइड इफेक्ट की रिपोर्ट दर <0.50% थी, जो सभी पुरुष एवं महिला के लिए वैक्सीन के लिए कोविशील्ड सुरक्षित है। कोरोना कब खत्म हो गया और इसपर अभी भी राजनीति चालू है, इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ये आम लोग के स्वास्थ्य से जुड़ा है जानकारी के अभाव लोग घबरा जाएंगे।

संपादकीय

जवाबदेह बनें संस्थाएं

सर्वोच्च अदालत ने लोक सभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल किया और जांच एजेंसी से इसका जवाब मांगा। अदालत ने पांच सवाल पूछे और उनके जवाब लेकर आने का निर्देश दिया। दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि स्वतंत्रता बहुत महत्त्वपूर्ण है। आखिरी सवाल गिरफ्तारी के संबंध में है। न्यायिक कार्यवाही के बिना, जो कुछ हुआ उसके संदर्भ में कार्यवाही कर सकते हैं। अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लिए कहा कि पक्ष और विपक्ष में निष्कर्ष हैं। हमें बताएं कि केजरीवाल का मामला कहां है। क्या हम सीमा को बहुत विस्तृत बनाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि जो व्यक्ति दोषी है, उसका पता लगाने के लिए मानक समान हों। केजरीवाल 21 मार्च से शराब नीति घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल इस गिरफ्तारी से पहले ही सार्वजनिक तौर पर कई मर्तबा दोहरा चुके थे कि मोदी सरकार लोक सभा चुनाव के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। दिल्ली सरकार के नेता पहले ही जेल में हैं। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता विभिन्न राजनैतिक दलों के लिए चुनौती बनती जा रही है। सत्ताधारी दल की यह जिम्मेदारी है कि वह अन्य विपक्षी दलों के साथ पूर्वाग्रह भरा बर्ताव करने से बचे। दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 5 में स्पष्ट प्रावधान है, कोई भी गिरफ्तारी इसके अधीन ही होनी चाहिए। केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बता रहे हैं। यह कहना गलत नहीं है कि चुनाव के दरम्यान लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं तथा नोटिस भी थमाए जा रहे हैं या छापे तक डाले जा रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिनके उत्तर मिलने चाहिए। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। बेशक, न्यायिक व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाला कोई भी राजनीतिज्ञ यदि किसी तरह के घोटाले में शामिल है तो उसे दंडित करने के लिए अदालतें हैं। अदालतोंपर पहले ही लंबित मामलों का दबाव है। उस पर मोदी सरकार लगातार आरोपियों को भाजपा में शामिल कर उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर स्पष्ट संकेत दे रही है। यह अपने आप में गलत संदेश दे रहा है। बावजूद इसके अंतिम फैसला तो जनता के हाथ में है, जो मूकदर्शक जरूर है, लेकिन अपना निर्णय समय आने पर देगी।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाष्ठा ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस : स्वतंत्रता के पहले सुधार जरूरी

आनन्द पुरोहित

पांच सौ सात सौ में प्रेस कार्ड और पांच सात लाख में अखबारों पत्र पत्रिकाओं द्वारा सम्मान की लॉलीपाप देने और मिलने की खबरें और सूचनाओं के बीच हम सब आज 3 मई को भारत में भी विश्व प्रेस दिवस मना रहे हैं। जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित करने के बाद विश्व प्रेस दिवस के रूप में ही जाना जाता है। प्रेस के हालात आज ये हैं कि, रील बनाने के लिए चौराहे पर नाचने वाली से लगाकर छोटे बड़े नेता अभिनेता या सोशल साइट्स के तथाकथित सेलिब्रिटी मतलब सीधे साफ शब्दों में कहें तो हर कोई ऐरा गैरा एक्स, वाय, झेड भी प्रेस (जिसके लिए वर्तमान में प्रचलित शब्द मिडिया)..... पर उंगली उठाता रहता हैं। .....चाहे उनका कृत्य गलत, अव्यावहारिक, असामाजिक या आपराधिक अथवा गैर जिम्मेदाराना ही क्यों न हों.... वे अपनी गलती अपनी कमी नही मान मीडिया को ही दोषी ठहराते हैं।.... आइना दिखाने के लिए उधर मीडिया में भी कुछेक जमीर वाले अभी भी है, जो उनका पुरजोर विरोध करते उनको ही नहीं जन जन को उनकी हैसियत .....बोलें तो उनकी औकात उनके मुंह पर ही बता देते हैं.... परन्तु धीरे धीरे वे भी बहुत कम होते जा रहे हैं। और उनके लिए ही अत्यंत जरुरी है प्रेस स्वतंत्रता। भारत में प्रेस या कहें मीडिया एंव पत्रकारों की स्वतंत्रता अथवा आजादी भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। प्रेस की इसी आजादी को विश्व स्तर पर सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना और मनाया जाता है। वैसे हम भारत के पत्रकार हर साल 16 नवंबर को हमारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस भी मनाते हैं क्योंकि उस दिन हमारे यहां पीसीआई की स्थापना जो हुई थी।

आज की पीढ़ी के जो पत्रकार हैं उनमें से शायद अधिकांश को ....पीसीआई क्या है... यह ही पता न हो .... जिसके चलते वह भी यहां दिया जाना वांछित ही है। हालांकि उनकी इस अपरिचितता के लिए इन पत्रकारों का कोई दोष नहीं है क्योंकि इन्हें बताया ही नहीं गया या इनकी मनोवृत्ति ऐसी कर दी कि इन्होंने जानना भी नहीं चाहा..... सबसे पहले और सबसे तेज के चक्कर में ये यहां वहां से कोर्स कर कर के प्रेस का प्रतिनिधित्व करने पत्रकार बने या जैसा कि मैंने शुरूआत में कहा पांच सौ सात सौ में कार्ड लेकर फील्ड में आ गए.... पढ़ने जानने की, न लालसा रही न जिज्ञासा इसलिए नहीं जानते। खैर....

प्रेस स्वतंत्रता के संदर्भ में तो वर्तमान समय में दो स्तरीय स्थिति है.... एक जो लिखते हैं दूसरे जो लिखाते है.....सीधे सीधे कहे तो एक अखबार मालिक और दूसरे उनके कर्मी जिनमें संपादक, उप संपादक, प्रतिनिधि और रिपोर्टर जैसे अन्य सभी जमात शामिल, तो प्रेस स्वतंत्रता किसके लिए ? क्या दोनों के लिए ? नये जमाने की प्रेस जिसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कहा जा रहा उसकी बात करना तो बेमानी ही है.उसका कोई औचित्य हीं नहीं है... क्योंकि जब 1991 में यूनेस्को ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का निर्णय लिया था तब इसका अस्तित्व ही नहीं था ....और वर्तमान में भी नब्बे प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता के मापदण्डों तक दस प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है ।... ये तो बस बहसबाजी और बाईट मीडिया बन गया है। आलोचको की मानें तो उनके अनुसार वहां... बाइट पत्रकारिता... होती है... बाईट ले ली बन गई रिपोर्ट हो गई पत्रकारिता.... तो 1991 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता की बात अखबारों के मद्देनजर ही कहीं गई थी । हालांकि अब इलेक्ट्रॉनिक के बाद एक और सोशल मीडिया भी प्रेस की जमात में शामिल होने को तत्पर है... इसलिए प्रेस शब्द के आयाम का विस्तार तो जरूरी हो गया है। इसको पुनः परिभाषित भी करना होगा। सिर्फ अखबारों को लेकर प्रेस स्वतंत्रता की बात में तो पिछले वर्षों चर्चित एक व्यंग्यात्मक जुमला कि... जो छप कर बिकते थे अब बिक कर छपेंगे बहुत कुछ कह गया है....संदर्भ सीमित था लेकिन अर्थ अनन्त है। ... हालांकि हकीकत यह भी है कि, कुछेक ऐसे भी हैं ....जो न छपकर बिकते हैं, न बिककर छपते हैं ....बस चलते हैं....मतलब छपते ही नहीं तो और क्या... साल में दो चार छः बार भी छप गए तो छप गये नहीं तो चल तो रहे ही है।..... सरकारी संस्थान जैसे मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के प्रकाशन भी इसमें शामिल हैं... और ऐसे सैंकड़ों नहीं हजारों, लाखों है भारत में। इनमें से अधिकांश स्वयं सिद्ध नही होकर प्लांट किये गये है और लगातार किये जा रहे है.... कुछ विशेष उद्देश्य प्राप्ति के लिए कुछ क्षेत्र विशेष के सक्षमों द्वारा.... और इन तथाकथित सक्षमों द्वारा ही पूर्ण जिम्मेदारी एंव ईमानदार से पत्रकारिता के मानकों को निभाते प्रेस की मयार्दा और गरिमा को कायम रखने वाले अखबारों को बांधने के जतन किए जा रहे हैं.. चाहे नीतियों का हवाला देकर दबाव बनाते अथवा सुविधाओ के साथ प्रलोभन देकर... मतलब साम दाम दण्ड भेद भरपूर चल रहा है प्रेस की आजादी को दबाने में। हालांकि ये तथाकथित सक्षम प्रेस के समर्थन से ही सक्षम बन पायें हैं, नहीं तो इनकी हैसियत कुछ भी नहीं थी...और अब उस पर ही उंगली उठा उसे बांधने का प्रयास कर रहे..यह भूल कर की प्रेस का स्वरूप बहुत विराट है....उसे किसी भी तरह के बंधन में बांधा जाना संभव नहीं है, परन्तु ये चंद प्रेस करें जयचंदी स्वभाव वालों से मिल उन्हें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाभान्वित कर या प्रलोभन देकर, उनके साथ अपना यह कुत्सित प्रयास कर रहे... इसलिए ही प्रेस स्वतंत्रता की जरूरत है.... लेकिन अभी उसके पहले प्रेस के इन लोभी जयचंदो की पहचान कर उन्हें हटाने की जरूरत है। भारत में इसके लिए ही शायद पीसीआई का गठन किया गया जिसकी स्थापना दिवस को हम राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाते हैं। जैसा मैंने उपर बताया। पर पीसीआई अर्थात प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया भी अपनी स्थापना के उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया इसलिए वो भी परिवर्तनीय है। और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के पहले प्रेस से दूषित लोभी जयचंदो को किनारे कर अखबार मालिकों और पत्रकारों को स्व आचार संहिता बना उसके अनुरूप आचरण सुधार की आवश्यकता है। दो शब्दों में कहूं तो स्वतंत्रता के पहले स्वच्छता।

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

ललित गर्ग

कनाडा में रविवार को वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मयार्दाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

रविवार के खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रुडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का ह्यठंडाह्न रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रुडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है। ट्रुडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया।

केकेआर और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला करेगी। इस मैच में केकेआर जीत के साथ ही अपनी लय बरकरार रखने उतरेगी। केकेआर इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। केकेआर इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत करना चाहेगी। उसने इस सत्र में 9 मैच में से 6 में जीत दर्ज की है और उसके 12 अंक हैं। वहीं मुम्बई ने केवल तीन मैच जीते हैं और छह अंक ही होने के कारण वह प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई की टीम अंकतालिका में 9वें स्थान पर है। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनान रहेगा क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी की सहायक रही है। यहां जमकर चौके और छक्के भी लगते हैं। पिच पर अच्छी उछाल के कारण गेंद आसानी से बल्ले पर आती है। ऐसे में 200 रन का स्कोर भी यहां आराम से हासिल किया जा सकता है। इस मैदान पर दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मुंबई ने 234 रन बनाये थे। ऐसे में इस मैच में बड़े स्कोर देखने को मिलेंगे। मुम्बई की टीम के बल्लेबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी हैं पर टीम में निरंतरता की कमी है। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। वहीं केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं सुनील नरेन जैसा ऑलराउंडर है। नरेन ने इस सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की है, कप्तान श्रेयस अय्यर हालांकि अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रिंक सिंह, आंद्रे रसेल जैसे हिटर हैं। पिछले मैच में हर्षित राणा ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। कुल मिलाकर मैच रोमांचक होने की उम्मीद है।

टीम

मुंबई = हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, टिम डेविड, इशान किशन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, श्रेयस गोपाल, अंशुल कंबोज, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, रोमारियो शेफर्ड, तिलक वर्मा, जसप्रित बुमरा , गेराल्ड कोएत्जी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, ल्यूक वुड, क्वेना मफाका।

केकेआर = श्रेयस अय्यर (कप्तान), श्रीकर भरत, मनीष पांडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, रमनदीप सिंह, नितीश राणा, शेरफेन रदरफोर्ड, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, वैभव अरोड़ा, दुष्मंथा चमीरा, हर्षित राणा, मुजीब उर रहमान, चेतन सकारिया, मिशेल स्टार्क, सुयश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, साकिब हुसैन, अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट।

आईपीएल 2024 : तेज गेंदबाज मयंक यादव शेष लीग मैचों से हो सकते हैं बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव मंगलवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच के दौरान पेट में दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गए। अब उनके आईपीएल 2024 के शेष लीग मैचों से बाहर होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि उनके ठीक होने में पहले की अपेक्षा अधिक समय लगेगा।

सूत्र ने कहा, 'वह बुरी स्थिति में नहीं हैं, लेकिन शेष मैचों में उनकी भागीदारी संदेह में है, भले ही फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के प्रमुख भाग के लिए उनकी सेवा सुरक्षित करना चाहती है। वह बुधवार को स्कैन के लिए गए और रिपोर्ट अभी भी आनी बाकी है। मेडिकल टीम ने कम से कम तीन सप्ताह के आराम का सुझाव दिया है, तभी वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।'

मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को एमआई के खिलाफ मैच के बाद मयंक की चोट पर अपडेट देते हुए कहा था, 'ऐसा लग रहा है कि उसे उसी जगह पर चोट लगी है, उसका रिहैब बिल्कुल सही रहा है, उसने पिछले कुछ हफ्तों में दर्द रहित गेंदबाजी की है, वह ठीक दिख रहा है। हम अच्छी स्थिति में हैं, स्कैन होगा और हमें कल पता चलेगा।'

सूत्रों ने दावा किया कि मयंक

एमआई के खिलाफ मैच के लिए 'फिट नहीं थे', लेकिन तीन सप्ताह में पांच मैच मिस करने के बाद प्लेइंग इलेवन में लौट आए क्योंकि कप्तान केएल राहुल उन्हें चाहते थे।' 21 वर्षीय तेज गेंदबाज मंगलवार को हुए मुकाबले के दौरान शायद ही अपनी लय में दिखे क्योंकि उन्हें अपनी लैंथ से संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने ज्यादातर फुलर गेंदें फेंकी और मोहम्मद नबी का विकेट लेने से पहले 3.1 रन देकर 31 रन दिए।

गौर हो कि इस तेज गेंदबाज ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ अपने पहले मैच में अपनी तेज गति से क्रिकेट जगत का ध्यान आकर्षित किया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लगातार 145 से ऊपर गेंदबाजी की और 155.8 किमी/घंटा की शीर्ष गति के साथ 27 रन देकर 3 विकेट लिए। एलएसजी टूर्नामेंट का अपना आखिरी लीग मैच 17 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगा।

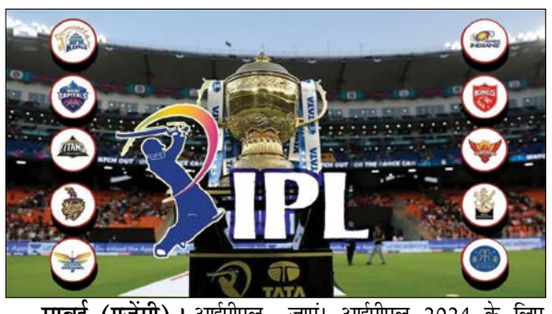

प्लेऑफ के लिए दिल्ली , गुजरात और पंजाब की उम्मीदें शीर्ष पांच टीमों के परिणामों पर निर्भर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में जहां मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स आरसीबी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं तीन टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना बचे हुए मैचों में जीत के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर करेगा। इसका कारण है कि ये तीन टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग अब अपने-अपने सारे मैच जीत लें तो भी अधिकतम 16 अंक तक ही पहुंच सकती हैं। इस प्रकार से इन तीनों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तो बनी है पर ऐसा तभी होगा जब अंक तालिका की शीर्ष-5 में से कम से कम दो या तीन टीमें अपने ज्यादातर मैच हार जाएं। आईपीएल 2024 के लिए प्लेऑफ का वास्तविक मुकाबला इन पांच शीर्ष टीमों के बीच ही है। राजस्थान रॉयल्स अगर अपने बाकी बचे 5 मैचों में से एक भी जीत ले तो उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हो गये हैं। अगर ये दोनों टीमें अपने बाकी बचे 5 में से 3 मैच जीत जाएं तो भी आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के अभी 9-9 मैचों में से 10-10 अंक हैं। ऐसे में इन दोनों टीमों के बीच ही प्लेऑफ की चौथी टीम के लिए कड़ी टक्कर होगी।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 में हराया, 3-0 से सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सिलहट में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बनाए। जिसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (51) और स्मृति मंधाना (47) की पारियों की बदौलत 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

बता दें कि, बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट 91 रन की साझेदारी की। इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी अहम है।

वहीं बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर

और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े।

स्मृति ने मारूफा अख्तर जबकि शेफाली ने फारिहा त्रिशना पर चौके से खाता खोला। शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गई।

अगले साल भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

धोनी जैसे फिनिशर बन सकते हैं रिंकू : सिद्धू

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का मानना है कि रिंकू सिंह एक बेहतरीन फिनिशर हैं और वह इस भूमिका में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सकते हैं। धोनी के संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम किसी अच्छे फिनिशर की तलाश में है और सिद्धू का मानना है कि ये रिंकू से पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिंकू इस मामले में टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। रिंकू ने कुछ मैचों में भारतीय टीम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वह फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू को इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी कौशल दिखने का पूरा अवसर नहीं मिला है। सिद्धू ने कहा, रिंकू धोनी की जगह ले सकते हैं। वह दिग्गज खिलाड़ी की तरह खेल खत्म कर सकते हैं। रिंकू काफी प्रतिभाशाली है और मैदान के सभी हिस्सों में शॉट लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही स्वभाव की बात करें तो वह धोनी की तरह ही वह शांत और तनावमुक्त रहता है। कठिन अवसरों पर भी बल्लेबाजी करते समय वह दबाव में नहीं आता और खुलकर बल्लेबाजी करता है। ऐसे में वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और अवसर दिये जाने पर वह वह लंबे समय तक टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभा सकता है।

एफआईएच प्रो लीग : सविता की बजाय सलीमा टेटे को मिली महिला हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिये भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है।

सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं।% उन्होंने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।'

सविता ओलंपिक क्वालीफायर और उसके बाद प्रो लीग

मैचों में भारत की कप्तान रही थी। बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम

गोलकीपर: सविता, बिछू देवी खारीबाम

डिफेंडर : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर: सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी

फॉरवर्ड : मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग

चार भारतीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 10 मई से आयरलैंड और 22 मई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 मुकाबलों के लिए टीम घोषित कर दी है। इसमें टीम की कप्तानी बाबर आजम करेंगे। वहीं तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को टीम में शामिल किया गया है पर लेग स्पिनर उसामा मीर को को बाहर कर दिया गया है। चयनसमिति के अनुसार टी20 विश्वकप के लिए इन दोनो ही सीरीजों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर होगी। पाक टीम आयरलैंड में तीन मैचों की सीरीज 10 मई से और इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 22 मई से खेलेगी। रज्जाक ने कहा कि टीम में पहले से ही शादाब खान और अबरार अहमद जैसे स्पिनर हैं इसलिए उसामा को जगह नहीं मिली है।

पाकिस्तानी टीम इस प्रकार है– बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, आजम खान, सईम अयूब, फखर जमां, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान नियाजी, अबरार अहमद, हसन अली, हारिस रऊफ , शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, इमाद वसीम, नसीम शाह, शादाब खान, उस्मान खान, अब्बास अफरीदी और आगा अली सलमान।

अमिताभ ने भारतीय क्रिकेट टीम का हौंसला बढ़ाया

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए महानायक अमिताभ बच्चन ने भारतीय टीम का हौसला बढ़ाया है। अमिताभ ने अपनी आने वाली फिल्म कल्कि के अश्वत्थामा के किरदार में भारतीय खिलाड़ियों को संदेश दिया है। अमिताभ के ये विशेष संदेश वाली वीडियो नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया गया है। इस वीडियो की शुरुआत में अमिताभ कह रहे हैं, ये महायुद्ध है, अब हो जा तू तैयार। अब बन जा वीर, बुलंद कर अपनी तकदीर, दिखा दम, लगा दम। अमिताभ बच्चन जैसे-जैसे कविता पढ़ रहे हैं, वीडियो में बैकग्राउंड में कल्कि 2898 एडी का म्यूजिक चल रहा है। साथ ही, इस वीडियो में भारतीय टीम के खिलाड़ी कप्तान शर्मा, विराट कोहली, और हार्दिक पांडेया के साथ-साथ वीडियो में पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, और हरभजन सिंह भी नजर आ रहे हैं। अमिताभ की फिल्म कल्कि 2898 एडी जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा का किरदार निभा रहे हैं।

भारत की टी20 विश्व कप टीम पर बोले कुमार संगकारा- यह बेहद मजबूत टीम है

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की सराहना की और इसे 'बेहद मजबूत' दस्ता बताया। भारत अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा, इसके बाद 09 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को अमेरिका और कनाडा से खेलेगा।

आईपीएल 24 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगकारा ने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मेन इन ब्लू की टीम में 'उच्च गुणवत्ता वाला' स्पिन आक्रमण है। संगकारा ने कहा, 'यह बेहद मजबूत टीम है। उनके पास बल्लेबाजी है, उनके पास हरफनमौला खिलाड़ी हैं, उनके पास बहुत उच्च गुणवत्ता वाली स्पिन है और उनके पास बहुत अच्छा संयोजन है जिसे वे खेल सकते हैं।'

पूर्व श्रीलंकाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत के पास आगामी आईसीसी आयोजन के लिए 'अच्छी तरह से संतुलित' टीम है। संगकारा ने यह भी बताया कि भारत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हमेशा मजबूत रहा है।

उन्होंने कहा, 'वहां की परिस्थितियों को जानने के बाद मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) और रोहित (शर्मा) को इस बात का अच्छा अंदाजा है कि विश्व कप में अपनी इच्छानुसार क्रिकेट खेलने के लिए टीम कैसी होनी चाहिए। उनके पास दो या तीन अलग-अलग खिलाड़ी होंगे। संयोजन, यह इस पर निर्भर करता है कि वे गहरी बल्लेबाजी लाइन-अप चाहते हैं या अपनी गेंदबाजी में अधिक ताकत चाहते हैं, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी तरह से संतुलित, बहुत मजबूत टीम है और भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बहुत मजबूत रहा है।'

भारत ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन सहित दो विकेटकीपरों को अपनी टीम में शामिल किया है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जो मौजूदा आईपीएल 2024 में रनों का अंबार लगा रहे हैं, को भी टीम में शामिल किया गया है। रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में शुबमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रखा गया है। भारत को आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप ए में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल , अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

असली आज़ादी (दैनिक) गुजरात राज्य और संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव शुक्रवार 03, मई 2024, दमण।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने जनरल ऑब्जर्वर ने तीन पंचायतों का किया दौरा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 मई।

दीव में लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोजन हेतु चुनाव संबंधी तैयारियों का जायजा लेने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की दीव जिले की जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने आज दीव के तीनों पंचायतों अर्थात साउदवाड़ी पंचायत, झोलावाड़ी पंचायत एवं बुचरवाड़ा पंचायत स्थित सभी मतदान केंद्रों का दौरा किया और वहां मतदान संबंधी समस्त अनिवार्य बुनियादी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जनरल ऑब्जर्वर महोदया ने बूथ लेवल अधिकारियों से मतदान केंद्रों पर चुनाव की तैयारियों और मतदाताओं को दी जाने वाली समग्र सुविधाओं के बारे में अपेक्षित जानकारी ली और अन्य संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। जनरल ऑब्जर्वर महोदया इन पंचायतों में घर-घर जाकर दिव्यांग मतदाताओं तथा 85 से अधिक उम्र वाले वयोवृद्ध मतदाताओं से मिली एवं उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि मतदान केंद्रों पर उनके लिए समग्र अनिवार्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जैसे पुरूषों एवं महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं के लिए अलग कतार, पेयजल, व्हील चेयर, आवागमन तथा स्वयंसेवकों आदि की सुविधा रहेगी। जनरल ऑब्जर्वर महोदया ने मतदाताओं से अपील की कि वे चुनाव के दिन 7 मई 2024 को अपने मतदान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मतदान केंद्रों में अवश्य जाएं तथा अपना बहुमूल्य मतदान करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

भारत निर्वाचन आयोग की दीव जिले की ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने एफएसटी तथा सेक्टर अधिकारियों के साथ की बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 02 मई।

भारत निर्वाचन आयोग की दीव जिले की ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने 02 मई 2024 को दोपहर 3 बजे घोघला सर्किट हाउस सभागार दीव में एफएसटी तथा सेक्टर अधिकारियों के साथ बैठक किया और दीव में लोकसभा सामान्य चुनाव की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। इस बैठक में ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने आदर्श आचार संहिता के समुचित अनुपालन एवं शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। उपस्थित अधिकारियों ने ऑब्जर्वर महोदया को चुनाव की तैयारियों के बारे में अपेक्षित तथ्यात्मक जानकारी दी और चुनाव के सफल आयोजन संबंधी विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। बैठक के दौरान भारतीय चुनाव आयोग की जनरल ऑब्जर्वर ने निर्वाचन प्रक्रिया के लिए आदर्श माहौल बनाने और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को रोकने हेतु जरूरी निर्देश एवं मार्गदर्शन दिया। ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में एफएसटी, सेक्टर अधिकारी सहित वीएसटी एवं वीवीटी टीमें भी उपस्थित रही।

निर्वाचन विभाग दानह की स्वीप टीम ने नुक्कड नाटक के माध्यम से किया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

■ खानवेल, वसोणा, खड़ोली में मतदान से संबंधित टी- शर्ट और कैप वितरित किये

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 मई। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दादरा नगर हवेली जिले के निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम द्वारा सुव्यवस्थित मतदान शिक्षण तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदाताओं की अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियांक किशोर और रिस्पॉसिबल ऑफिसर एवं सिलवासा नगरपालिका चीफ ऑफिसर संग्राम शिंदे के मार्गदर्शन में स्वीप टीम द्वारा खानवेल, वसोणा और खड़ोली में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मिलन सोलंकी ने मतदान देने से संबंधित जानकारी देते हुए वोटर हेल्पलाइन, वोट के दिन ले जाने हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेजों, मतदान से संबंधित जानकारी हेतु 1950 तथा 1077 द्वारा दी जाने वाली सेवाएं और मतदाताओं को मतदान संबंधी टी शर्ट, सी-वीजिल एप और वोट के महत्व की जानकारी दी और कैप वितरित किए। इसके अतिरिक्त स्वीप टीम द्वारा राजकमल सोसायटी बाविसा फलिया, विराज पार्क, कॉस्मो सिटी सोसायटी, जलाराम कांप्लेक्स, लेबर यूनियन, झंडा चौक, एस्टेट लेबर यूनियन, पिपरिया गार्डन, सिलवासा में मतदान से संबंधित नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया गया। स्वीप टीम द्वारा सोशल मीडिया के अंतर्गत इंस्टाग्राम (२५ीस्त्रह्लिँ2024) और फेसबुक पर भी मतदान जागरूकता कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी जाती है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में आम जनता को मतदान संबंधी जानकारी प्राप्त हो सके और उन्हें वोट देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि इंस्टाग्राम और फेसबुक को फॉलो करें और अधिक से अधिक संख्या में इन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए मतदान संबंधी संपूर्ण जानकारी प्राप्त करें तथा 7 मई 2024 को मतदान केंद्र पर जाकर अपना बहुमूल्य वोट अवश्य दें।

भाजपा नेत्री तरुणा पटेल ने भाजपाईयों के साथ घोघला में किया चुनाव प्रचार: भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के लिए मांगा जनता का समर्थन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 2 मई। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल की धर्मपत्नी एवं भाजपा नेत्री तरुणा पटेल ने भाजपाईयों के साथ दीव में चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभाली है। भाजपा नेत्री तरुणा पटेल ने आज घोघला में चुनाव प्रचार किया और भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के लिए जनता का समर्थन मांगा। इस दौरान घोघला फिशरमैन शेड में भाजपा द्वारा बैठक आयोजित की गयी थी। इस बैठक के दौरान भाजपा नेत्री तरुणा पटेल, भाजपा पदाधिकारियों एवं काउंसिलरों ने उपस्थित रहकर मछुआरों की अनेक समस्याओं को सुना। मछुआरों ने सडक, हाउस टैक्स में बढोत्तरी, फिशिंग शेड का वसूला जा रहा किराया सहित कई मुद्दे रखे। भाजपा पदाधिकारियों ने मछुआरों की सभी समस्याओं को सुना और चुनाव के बाद इन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। इसके साथ ही भाजपा नेताओं ने प्रदेश में हुए विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आगामी दिनों में और विकास किये जाने की बात कहते हुए भाजपा उम्मीदवार को भारी मतों से जीताने के लिए मतदाताओं का आह्वान भी किया।

कानून के ऊपर नहीं है ईड़ी, पीएमएलए की धारा 50 के दुरुपयोग पर लगी लताड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने (धन शोधन निवारण अधिनियम 2002)का गलत इस्तेमाल करने पर, ईड़ी के अधिकारियों की जबरदस्त क्लास लगाई है। रेलवे की जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष अदालत के न्यायाधीश विशाल गोगने ने ईड़ी के अधिकारियों को चेतावनी दी। विशेष अदालत ने कहा आम नागरिकों की रक्षा करने की कसम खाते हैं। उन्हें ही कानून के जरिए परेशान करते हैं। ईड़ी के अधिकारियों ने आरोपी कत्याल का इलाज करने वाले डॉक्टर का बयान पीएमएलए की धारा 50 के अंतर्गत करने पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, आम नागरिकों को इस तरह से ईड़ी के अधिकारी परेशान नहीं कर सकते हैं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा पीएमएलए 2002 के कानून का बेजा इस्तेमाल करने पर पहली बार किसी ट्रायल कोर्ट ने इस तरह से ईड़ी के अधिकारियों को आइना दिखाया है। विशेष अदालत ने कहा कि ईड़ी के अधिकारी कानून का दुरुपयोग करते हुए आम नागरिकों के खिलाफ इस तरह की कार्यवाही नहीं कर सकते है। ईड़ी के अधिकारियों ने धारा 50 के तहत मेदांता तथा अपोलो अस्पताल के निजी डॉक्टरों के बयान दर्ज करने पर, ईड़ी के अधिकारियों को कड़ी लताड़ लगाई। भविष्य में इस तरह से अधिकारों का दुरुपयोग ना हो इसकी चेतावनी भी दी है। जो काम हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जमानत याचिका में नहीं देख सकी। उसे ट्रायल कोर्ट ने देख लिया। और उस पर रोक भी लगाई।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई फिर बनाने जा रहे रिकॉर्ड: होंगे दुनिया के पहले नॉन-फाउंडर टेक एग्जीक्यूटिव

नई दिल्ली(ईएमएस)। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के भारतीय मूल के सीईओ सुंदर पिचाई एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने के करीब पहुंच गए हैं। उनकी नेटवर्थ एक अरब डॉलर पहुंचने वाली है। पिचाई बिलिनेयर लिस्ट में शामिल होने वाले दुनिया के पहले नॉन-फाउंडर टेक एग्जीक्यूटिव होंगे। पिचाई साल 2015 में गूगल के सीईओ बने थे। उसके बाद से कंपनी के स्टॉक में 400 प्रतिशत से अधिक तेजी आई है। एसएंडपी और नसदाक की तुलना में इस शेयर का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। शुक्रवार को कंपनी ने अपनी पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा की। इस दौरान कंपनी की इनकम उम्मीदों से बेहतर रही है। इससे कंपनी का शेयर नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट में एआई ड्रिवन ग्रोथ से कंपनी की इनकम बढ़ी है। कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार लाभांश भी दिया है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक पिचाई की नेटवर्थ एक अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है। कंपनी के शेयरों में तेजी और शानदार स्टॉक अवॉर्ड के दम पर पिचाई दुनिया में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले एग्जीक्यूटिव्स में शामिल हैं। 51 साल के पिचाई को साल 2015 में गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने गूगल का सीईओ बनाया था। तब पेज कंपनी की नवगठित होल्डिंग कंपनी अल्फाबेट के सीईओ बने थे। साल 2019 लैरी पेज और को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन ने खुद को डे-टु-डे कामों से अलग करने का फैसला किया था। तब पिचाई को अल्फाबेट के सीईओ की पोस्ट भी मिल गई। पेज और ब्रिन दुनिया के टॉप 10 अमीरों में शामिल हैं। पेज 146 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के छठे बड़े रईस हैं जबकि ब्रिन 139 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में सातवें नंबर पर हैं।पिचाई अमेरिका में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ हैं। उन्हें साल 2022 में 22.6 करोड़ डॉलर की सैलरी मिली। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो यह 18,84,39,13,900 रुपये बैठती है। यानी पिचाई को पिछले साल रोजाना 5,16,27,161 रुपये मिले थे। पिचाई ने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले पिचाई का बचपन संघर्षों में गुजरा। उनके पास पढ़ाई के लिए कोई अलग कमरा नहीं था। वह ड्राइंग रूम के फर्श पर अपने छोटे भाई के साथ सोते थे। घर में न तो टेलीविजन था और न ही कार।

-पूर्व ब्वॉयफ्रेंड और एक्टर अध्ययन सुमन को है यह यकीन

फिल्मों की तरह राजनीति में भी सफल होंगी कंगना

एक्ट्रेस कंगना रनौत फिल्मों की तरह राजनीति में भी सफल रहेंगी। यह कहना है कि कंगना रनौत के पूर्व ब्वॉयफ्रेंड और एक्टर अध्ययन सुमन का। अध्ययन ने कहा, 'जहां तक कंगना रनौत और उनकी लाइफ और उनके राजनीतिक करियर का सवाल है, मुझे लगता है कि उन्होंने एक एक्टर के रूप में अपने करियर में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैं उनके राजनीतिक करियर के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।'

एक्ट्रेस कंगना रनौत लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा उम्मीदवार हैं। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'राज- द मिस्ट्री कंटीन्यू' में अध्ययन सुमन लीड एक्टर थे और उनके अपोजिट फिल्म में कंगना रनौत को कास्ट किया गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान इन दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों का अफेयर शुरू हो गया। अध्ययन ने लगभग आठ साल बाद 2017 में, ब्रेकअप पर बोलते हुए कंगना रनौत पर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था। फिलहाल, अध्ययन 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जो संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित सीरीज है, जो लाहौर में तवायफों और नवाबों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज में नवाब की भूमिका निभा रहे अध्ययन ने कहा कि उन्होंने काफी लंबे समय से एक मौके का इंतजार किया है। अध्ययन ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसे सराहेंगे। मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं सपना जी रहा हूं। मैंने कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने की उम्मीद नहीं की थी। यह मेरे लिए एक दूर का सपना था, लेकिन यह सच हुआ।' सीरीज में उनके पिता, अनुभवी एक्टर शेखर सुमन भी हैं। अध्ययन ने कहा कि बाप-बेटे की जोड़ी को एक शो में एक साथ देखना उनकी मां के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। वे बोले, 'दुर्भाग्य से, मेरा उनके (शेखर) साथ केवल एक सीन है। मुझे एक साथ ज्यादा स्क्रीन टाइम की उम्मीद थी, लेकिन ट्रैक इस तरह एक-साथ नहीं आते। फिर भी, एक ही शो में बाप-बेटे दोनों का होना मेरी मां अलका के लिए एक सपना सच होने जैसा है, खासकर मेरे लिए भी।'

अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अध्ययन का शेड्यूल काफी बिजी है। उन्होंने कहा, 'मैंने अभी एक अनटाइटल लव स्टोरी पूरी की है। मैंने विजय राज के साथ 'वहम' नामक एक डार्क थ्रिलर और 'एंट्रैप्ड' नामक एक फिल्म पूरी की है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी पहली फिल्म 'ऐ अजनबी' का निर्देशन और अभिनय कर रहा हूं और मैं एक कॉनमैन पर बायोपिक का निर्माण भी कर रहा हूं। मेरे पास बहुत सारे प्रोजेक्ट्स हैं। मुझे विश्वास है कि मेरा काम खुद बोलेगा।'36 साल के एक्टर 'ऐ अजनबी' नाम की फिल्म का निर्देशन करने और एक 'कॉनमैन' पर एक बायोपिक का निर्माण करने के लिए भी तैयार हैं।

'वेलकम 3' में आफताब शिवदासानी की एंट्री

बालीवुड फिल्म 'वेलकम 3' को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में अब अभिनेता आफताब शिवदासानी की एंट्री हो गई हैं। आफताब शिवदासानी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्षय कुमार के साथ अपनी तस्वीरों का कोलाज बनाकर शेयर किया है। एक फोटो अभी की है, तो दूसरी 16 साल पुरानी। आफताब ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'पहली तस्वीर 16 साल पहले ली गई थी (2008 और 2024)। जैसा कि आप देख सकते हैं कि कुछ भी नहीं बदला है।' उन्होंने आगे लिखा कि इस 'दीवाना' का 'पागल' जंगल में वेलकम करने के लिए 'आवारा' को धन्यवाद।' अक्षय कमार और आफताब शिवदासानी की 'आवारा पागल दीवाना' में सुनील शेट्टी, परेश रावल ने भी काम किया था। वहीं, अक्षय कुमार की 'दीवाने हुए पागल' में आफताब शिवदासानी ने कैमियो किया था। इन दोनों फिल्मों के निर्देशक विक्रम भट्ट थे। इसके अलावा दोनों सितारे साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'कमबख्त इश्क' में भी नजर आए थे।अक्षय कुमार पिछली बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ काम किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब अक्षय कुमार तेलुगु मूवी 'कन्नप्पा' में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इसमें उनका कैमियो होगा। इसके अलावा अक्षय कुमार के पास 'स्काई फोर्स', 'सरफिरा', 'हेरा फेरी 3' और 'खेल खेल में' जैसी फिल्में हैं, जो एक के बाद एक सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। बता दें कि अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं।

ड्रीम प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू होने की वजह से यह जन्मदिन मेरे लिए बेहद खास: वर्धन पुरी

एक्टर वर्धन पुरी गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह जन्मदिन बेहद खास है, क्योंकि वह आज अपने ड्रीम प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू कर रहे हैं। वर्धन पुरी ने कहा, 'हां, यह बर्थडे ओर भी खास है, क्योंकि मैं आज एक ऐसी फिल्म की तैयारी शुरू करूंगा, जो मेरे लिए ड्रीम प्रोजेक्ट है। मैं इसके शुरू होने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। इसमें बेहतरीन टीम और शानदार कलाकार हैं, जिनका मैं जीवन भर सम्मान करता रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने बर्थडे को लेकर हमेशा बहुत एक्साइटेड रहता हूं। इस बार भी ऐसा ही है। पिछले कुछ साल से, मैं भगवान शिव की पूजा करता रहा हूं, और इस बार भी मंदिर में पारिवारिक अनुष्ठान होने जा रहा है।'' शाम को वर्धन अपने घर पर परिवार और दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाएंगे। उन्होंने कहा, 'रात में, घर पर परिवार और करीबी दोस्त आएंगे। हालांकि अभी तक कुछ खास प्लानिंग नहीं है, लेकिन मैं महसूस कर सकता हूं कि यह स्पेशल होने वाला है। मुझे लग रहा है कि मेरे जन्मदिन पर मेरे करीबी लोग एक ही छत के नीचे मेरे साथ होंगे।' 'वर्धन ने 'ये साली आशिकी' और 'दशमी' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। वह जल्द ही अविका गौर के साथ 'ब्लडी इश्क' में नजर आएंगे।

कभी धर्म बदलतीं तो कभी माफी मांगती नजर आ रहीं गोविंदा की भांजी रागिनी

मशहूर फिल्म अभिनेता गोविंदा की भांजी और टीवी कलाकार रागिनी खन्ना लंबे समय से लाइमलाइट से गायब हैं। वे कहां हैं और क्या कर रहीं हैं इसको लेकर भी कोई चर्चा नहीं है। उन्हे लगभग भुला ही दिया था कि अचानक उनके वीडियो वायरल होने लगे। जिससे वे एक बार फिर चर्चा आ गई हैं।

टीवी एक्ट्रेस रागिनी खन्ना हाल ही में अपनी बहन आरती सिंह की शादी के फंक्शन में शामिल हुई थीं, जहां से उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। वहीं, अब एक्ट्रेस का धर्म बदलने को लेकर हैरान करने वाला पोस्ट सामने आया है। रागिनी खन्ना काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। ऐसे में फैंस को न तो उनके पर्सनल और न ही प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कोई अपडेट हैं। ऐसे में उनके धर्म परिवर्तन की बात चौंकाने वाली है।

रागिनी खन्ना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया है। इसके बाद आज 2 मई को रागिनी खन्ना का दूसरा पोस्ट सामने आया। जिसमें उन्होंने धर्म बदलने को लेकर माफी मांगी। इसके साथ ही अपना पिछला पोस्ट भी डिलीट कर दिया है। रागिनी खन्ना के नए वीडियो में उनके साथ एक फेमस हिंदी कथा वाचक दिख रहे हैं। पोस्ट के साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने वापस हिंदू धर्म अपना लिया है और खुद को कट्टर सनातनी हिंदू बताया। रागिनी खन्ना ने कैप्शन में लिखा, नमस्ते, मैं रागिनी खन्ना हूं। अपनी पिछली रील के लिए मैं माफी मांगना चाहती हूं, जहां मैं धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन गई। मैं वापस अपनी जड़ से जुड़ गई हूं और कट्टर हिंदू सनातनी बनने की राह को अपना लिया है। रागिनी खन्ना के अकाउंट पर हुई हालिया एक्टिविटी को देखकर लग रहा है कि शायद उनका इंस्टा हैंडल हैक कर लिया गया है। हालांकि, अब सच क्या है ये तो रागिनी खन्ना ही बता सकती हैं। एक्ट्रेस के पोस्ट पर कई यूजर्स ने रिएक्ट भी किया है और उन्होंने भी अकाउंट हैक होने की आशंका जताई।

फिल्म हनु-मैन की वजह से सुर्खियों में प्रशांत वर्मा

बालीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म के लिए साउथ फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ हाथ मिलाया है। प्रशांत वर्मा अपनी हालिया रिलीज ब्लॉकबस्टर फिल्म हनु-मैन की वजह से सुर्खियों में हैं। महज 20 करोड़ रुपये में बनी उनकी इस 250 करोड़ी फिल्म ने कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स धराशायी कर दिए थे।

अब वो अपनी अगली फिल्म जय हनुमान को लेकर व्यस्त हैं। इसके साथ ही फिल्म निर्देशक ने रणवीर सिंह के साथ अपनी एक और अगली फिल्म के लिए कथित तौर पर हाथ मिला लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रणवीर सिंह और प्रशान्त वर्मा की इस फिल्म का शीर्षक राक्षस रखा गया है। फिलहाल इस फिल्म का टाइटल राक्षस चुना गया है। ये निर्देशक प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी की फिल्म होगी। जिसमें रणवीर सिंह का किरदार कई नकारात्मक ऊर्जाओं से प्रभावित होगा। फिल्म के बारे में करीबी सूत्र ने कहा, ये प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी होगी। जहां निर्देशक कई किरदारों को लेकर आने वाले हैं। जो अंत में फिनाले में एक साथ दिखेंगे। रणवीर सिंह इस किरदार और निर्देशक के विजन को लेकर बेहद प्रभावित थे। साथ ही उनकी लंबी योजनाओं को लेकर उत्साहित हैं। वो निर्देशक के साथ राक्षस का सफर शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले बनकर पहले ही तैयार हो चुके हैं। फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स जैसा बिग प्रोडक्शन बैनर भी मिल चुका है। अब मेकर्स फिल्म की शूटिंग की तारीखों को लेकर रणवीर के साथ बातचीत के दौर में हैं। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म के लिए मेकर्स के साथ रणवीर सिंह ने बीती हनुमान जयंती के दिन हैदराबाद में एक पूजा भी पूरी की है। अब सिर्फ इस फिल्म के आधिकारिक ऐलान का इंतजार है। बता दें कि रणवीर सिंह इस वक्त अपने करियर के क्रूशियल मोड़ पर हैं। रणवीर कपूर की पिछली प्रदर्शित फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर सकीं। वहीं, अभिनेता अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर काफी सतर्क हो गए हैं। रणवीर सिंह के हाथ इस वक्त इंडस्ट्री के बड़े निर्देशकों की दिलचस्प फिल्म हैं। जो एक बार फिर उनके स्टारडम में चार चांद लगा सकती हैं।

धर्मेंद्र ने मां-बाप के बारे में पुरानी यादें की ताजा

बालीवुड के सदाबहार स्टार धर्मेंद्र ने ट्विटर पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह, उनके पिता केवल किशन सिंह देओल और उनके बड़े बेटे सनी देओल हैं। धर्मेंद्र ने अपने माता-पिता के बारे में बात करते हुए पुरानी यादों को ताजा किया और उनके साथ ज्यादा समय न बिता पाने पर अफसोस जताया।

शेयर की गई तस्वीर में, पिता केवल किशन सिंह छड़ी पकड़े हुए कुर्सी पर बैठे हुए हैं और उनके दोनों ओर धर्मेंद्र और सनी बैठे हैं। तस्वीर के साथ धर्मेंद्र ने लिखा, काश! मां बाप को और वक्त दिया होता! एक्टर ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन के साथ एक तस्वीर भी शेयर की- दोस्तों, आपकी शुभकामनाओं और उनके आशीर्वाद से मैं अपनी खेती बाड़ी में बिजी हो गया। आप सभी को प्यार... यह प्यारा ट्रैक्टर राजकोट के एक प्यारे फैन और दोस्त की ओर से गिफ्ट है... इस साल आप मुझे श्रीराम राघवन की एक खूबसूरत फिल्म इक्कीस (21) में देखेंगे।

बॉलीवुड के ही-मैन के नाम से मशहूर धर्मेंद्र ने छह दशक से ज्यादा लंबे करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्हें पिछली बार शाहिद कपूर और कृति सैनन-स्टारर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था।

होम पीच पर भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर : सायली और दादरा में की जनसभा

सायली बालदेवी क्षेत्र के मतदाताओं का डेलकर परिवार हमेशा ऋणी रहा है : कला डेलकर

■ माहौल और मतदाताओं का उत्साह देखकर लग रहा है कि दादरा इस बार अपने तमाम रिकॉर्ड तोड देगा : पूर्व सांसद नटू पटेल ■ युवाओं का भविष्य उज्जवल बनायेंगे, दानह की सभी समस्याओं का करेंगे समाधानः अभिनव डेलकर ■ दादरा नगर हवेली में अबकी बार भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर के लिए डेढ लाख का आंकडा पार करने के लिए डेलकर संगठन और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को एक साथ परिश्रम करना है : कौशिल शाह ■ कला डेलकर को 1 लाख से ज्यादा वोटों से जीताना है : द्वारकानाथ पांडे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 मई। दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट की भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर ने आज अपने होम पीच सायली और दादरा में जनसभा कर मतदाताओं से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर उन्होंने सायली बालदेवी क्षेत्र के मतदाताओं से कहा कि डेलकर परिवार हमेशा आपका ऋणी रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले 1 साल में सायली क्षेत्र में सभी कच्चे घरों को पक्का बनायेंगे, युवाओं को रोजगार एवं व्यवसाय के लिए सभी प्रकार की मदद करेंगे, पानी और सडक की समस्या का स्थाई समाधान करेंगे। दादरा की जनसभा में भी कला डेलकर ने स्थानीय समस्याओं के समाधान का वादा किया। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि दादरा क्षेत्र में स्थानीय एवं परप्रांतीय समाज को साथ में लेकर हम चलेंगे। कला डेलकर ने कहा कि दादरा नगर हवेली की समस्याओं के समाधान के लिए हमे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी और गृहमंत्री श्री अमित शाहजी का सहयोग मिलेगा। आज की सभा को दानह के पूर्व सांसद नटू पटेल ने भी संबोधित किया था। उन्होंने दादरा में उपस्थित बडी संख्या में मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि माहौल और मतदाताओं का उत्साह देखकर लग रहा है कि दादरा इस बार अपने तमाम रिकॉर्ड तोड देगा। आज की जनसभा को संबोधित करते हुए अभिनव डेलकर ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए हम सभी मिलकर काम करेंगे। दादरा नगर हवेली के सभी समस्याओं का समाधान भी हम करेंगे। दादरा क्षेत्र के अग्रणी युवा कौशिल शाह ने अबकी बार दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर को डेढ लाख से ज्यादा मत दिलाने के लिए डेलकर संगठन और भाजपा के कार्यकर्ता और नेताओं को एक साथ मिलकर परिश्रम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा के नेता द्वारकानाथ पांडे ने आह्वान करते हुए कहा कि कला डेलकर को 1 लाख से ज्यादा वोटों से हमे जीताना है।

भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के चुनाव प्रचार के लिए सोमनाथ सर्कल पर दाभेल-घेलवाड-आटियावाड-सोमनाथ मंडलों की हुई संयुक्त जनसभा

■ भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल, प्रदेश भाजपा सहप्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, प्रदेश सचिव जिज्ञेश पटेल, उपाध्यक्ष नवीन पटेल ने जनता को संबोधित करके भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल को जीताने के लिए मतदाताओं से की अपील ■ 4 मई को दमण में आयोजित होने वाली केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा में भारी संख्या में उपस्थित रहने के लिए नागरिकों का किया आह्वान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 2 मई। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के चुनाव प्रचार के लिए आज शाम सोमनाथ सर्कल पर दाभेल-घेलवाड-आटियावाड-सोमनाथ मंडलों की संयुक्त विशाल जनसभा आयोजित हुई। इस चुनावी जनसभा को भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल, प्रदेश भाजपा सहप्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, प्रदेश सचिव जिज्ञेश पटेल, उपाध्यक्ष नवीन पटेल ने संबोधित किया और भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए मतदाताओं से अपील की। इसके साथ ही 4 मई शनिवार को दमण में आयोजित होने वाली केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा में शामिल होने के लिए नागरिकों को आमंत्रण भी दिया। आज की इस चुनावी जनसभा में प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, जिला पंचायत सदस्य रीना पटेल एवं वर्षिका पटेल, जिला महामंत्री विमल पटेल, सरपंच उर्वशी पटेल, दुनेठा के अग्रणी कल्पेश पटेल, महेन्द्र कामली, जयेश पटेल, पियूष पटेल, उत्तर भारतीय समाज के अग्रणियों, राजेश पटेल, रामसिंह पटेल, अम्रत पटेल, पूर्व सरपंच धर्मेश पटेल, धनसुख पटेल, उपसरपंच राजेश पटेल सहित बडी संख्या में भाजपा समर्थक एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल की मरवड मंडल में हुई चुनावी सभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 2 मई। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल का दमण जिले के ग्रामीण विस्तारों में लगातार चुनाव प्रचार जारी है। इसी के तहत आज शाम मरवड मंडल में भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल की चुनावी सभा आयोजित हुई। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल, प्रदेश भाजपा सहप्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, उपाध्यक्ष नवीन पटेल ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया और भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। इसके साथ ही 4 मई को दमण में आयोजित होने वाली केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा में भारी से भारी संख्या में लोगों को उपस्थित रहने के लिए भाजपा पदाधिकारियों ने आमंत्रित भी किया।

कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल ने वणाकबारा में रैली निकालकर किया चुनाव प्रचार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 2 मई। दमण-दीव लोकसभा सीट के कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल ने आज दीव जिले के वणाकबारा में रैली निकालकर चुनाव प्रचार किया। इस चुनाव प्रचार में कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल के साथ उनकी धर्मपत्नी अमी पटेल सहित कांग्रेस समर्थक एवं बडी संख्या में नागरिक शामिल हुए। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल ने वणाकबारा के नागरिकों की समस्याओं को भी सुना और भाजपा पर अनेक प्रहार भी किये। वणाकबारा के प्रश्नों को सुनने के बाद केतन पटेल ने चुनाव के बाद सुलझाने का आश्वासन देते हुए कांग्रेस को भारी बहुमत से जीताने के लिए मतदाताओं का आह्वान किया।

दानह जिला प्रशासन 7 मई को 85 वर्ष से अधिक आयु और विकलांग मतदाताओं के लिए मुफ्त परिवहन सेवा करायेगा उपलब्ध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 2 मई। दादरा नगर हवेली जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के तहत दादरा नगर हवेली में 7 मई 2024 मतदान के दिन 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और 40% से अधिक विकलांगता वाले मतदाताओं के लिए मुफ्त परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। यह वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाता अपने संबंधित मतदान केन्द्रों में अपना वोट डालने के लिए मुफ्त परिवहन की सुविधा का लाभ उठाने के लिए 1077 पर नियंत्रण कक्ष को संपर्क कर सकते हैं।

सीबीआई ने दमण में आयोजित किया भ्रष्टाचार विरोधी जागरुकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 2 मई। सीबीआई द्वारा आज सुबह 11 बजे दमण के होटल गोल्डन चेरिओट में भ्रष्टाचार विरोधी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चले पूरे सत्र में सीबीआई के अधिकारियों को भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न शिकायतें मिलीं। कार्यक्रम के दौरान लोगों को भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा रिश्वत की मांग और अन्य भ्रष्ट व्यवहारों की सीबीआई को रिपोर्ट करने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया गया। क्योंकि सरकारी कर्मचारियों द्वारा रिश्वत की मांग करना भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)